

## नक्षत्र सभा: उत्तराखंड में खगोल-पर्यटन

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड में [खगोल-पर्यटन](#) और स्थानीय वरिसत को बढ़ावा देने के लिये नक्षत्र सभा का शुभारंभ किया गया ।

### प्रमुख बंदि

- इवेंट अवलोकन :
  - [उत्तराखंड पर्यटन](#) विकास बोर्ड के सहयोग से स्टारस्केप्स द्वारा आयोजित नक्षत्र सभा, एक वर्ष तक चलने वाली गहन खगोल-पर्यटन कार्यक्रमों की शृंखला है ।
  - इस पहल में आकाशीय अवलोकन, [खगोल फोटोग्राफी सत्र](#) और विभिन्न [अंधेरे आकाश स्थानों](#) पर सांस्कृतिक वसिर्जन शामिल हैं ।
- सांस्कृतिक एकीकरण :
  - प्रत्येक संस्करण में कषेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक महत्त्व तथा खगोल विज्ञान और स्थानीय वरिसत के बीच अंतरसंबंध पर प्रकाश डाला जाता है ।
  - इन कार्यक्रमों का उद्देश्य खगोल विज्ञान को सुलभ और आकर्षक बनाना तथा सभी आयु वर्ग के प्रतभागियों में रुचि बढ़ाना है ।
  - यह कार्यक्रम [उत्तराखंड की समृद्ध परंपराओं](#) और खगोल विज्ञान से इसके ऐतिहासिक संबंधों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है ।
- सामुदायिक भागीदारी :
  - स्थानीय समुदायों को इसमें भाग लेने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मलिया और स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन मलिया ।
  - प्रतभागी खगोल विज्ञान और सांस्कृतिक विशेषज्ञों द्वारा नरिदेशित तारा-दर्शन सत्रों, कार्यशालाओं और चर्चाओं में भाग ले सकते हैं ।

### उत्तराखंड पर्यटन नीति

- नविश प्रोत्साहन:
  - नई पर्यटन नीति का उद्देश्य न्यूनतम परियोजना लागत 5 करोड़ रुपए नरिधारित करके नविश आकर्षित करना, अज्ञात कषेत्रों में 50% तक सब्सिडी प्रदान करना तथा हेली पर्यटन और साहसिक गतिविधियों जैसी पहलों के लिये 100% सब्सिडी प्रदान करना है ।
- शहरों का वर्गीकरण:
  - शहरों को अलग-अलग सब्सिडी दरों के साथ तीन श्रेणियों (A, B और C) में विभाजित किया गया है: श्रेणी A में 25%, श्रेणी B में 35% और श्रेणी C में 50% तक, साथ ही स्टॉप शुल्क से छूट भी ।
- विविध प्रोत्साहन:
  - होटल, साहसिक खेल और पर्यावरण अनुकूल परिवहन विकल्पों सहित विभिन्न पर्यटन उपकरणों के लिये वित्तीय प्रोत्साहन की पेशकश की जाती है, जिसका उद्देश्य नए रोजगार के अवसर उत्पन्न करना और धारणीय पर्यटन को बढ़ावा देना है ।